Indian Association of Pediatric Surgeons

Patient Information Sheet

GYNECOLOGICAL PROBLEMS

स्त्री रोग संबंधी समस्याएं

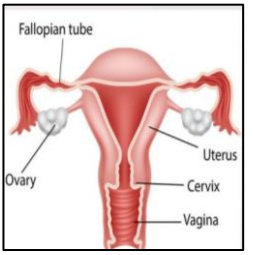

Concept, Text & Photograph Courtesy :

Dr. Shilpa Sharma,
Additional Professor, AIIMS, New Delhi

Hindi Translation by:

Dr. Abhishek Tiwari, Asst. Prof., Pediatric Surgery, Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Medical College, Jabalpur
Dr. Vikesh Agrawal, Professor, Pediatric Surgery, Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Medical College, Jabalpur

Designed and formatted by :

Dr. Veereshwar Bhatnagar,

Former Professor & Head, Pediatric Surgery, AIIMS, New Delhi,

Currently Professor of Pediatric Surgery & Dean Research, School of Medical Sciences & Research, Sharda University, Greater Noida, UP.

Published by :

Dr. Amar Shah, Consultant Pediatric Surgeon, Amardeep Multispeciality Children Hospital, Ahmedabad &

Professor Ravi Kanojia , PGIMER, Chandigarh

for & on behalf of the Indian Association of Pediatric Surgeons

स्त्री रोग संबंधी समस्याएं क्या हैं?

लड़कियों में जननांग पथ में क्या क्या शामिल होता है:

- अंडाशय
- फैलोपियन ट्यूब, गर्भाशय और गर्भाशय ग्रीवा (सरविक्स)
- योनि
- भगशेफ (क्लाइटोरिस) और
- लेबिया माईनोरा और मेजोरा।

जननांग पथ के घटकों से संबंधित सभी समस्याओं को स्त्रीरोग संबंधी समस्याएं कहा जाता है। लड़कियों को नए जन्म की अवधि से लेकर बचपन और किशोरावस्था तक उनके विकास और विकास के सभी चरणों में स्त्री रोग संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

इन समस्याओं का कारण क्या है और ये कितनी आम हैं?

कुछ समस्याएं हैं जो जन्मजात होती हैं जबकि अन्य बाद में होती हैं। इसके अलावा कई अंतःस्रावी ग्रंथियां हैं जिनके अनियमित स्राव पैटर्न जननांग पथ पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।

व्यक्तिगत समस्याओं की घटना की दर अलग अलह होती है, लेकिन सभी स्त्रीरोग संबंधी समस्याओं की संयुक्त आवृत्ति (समस्याओं के होने की दर) काफी सामान्य है।

लक्षण क्या हैं ?

अपने चिकित्सक को कब देखना है?

इसका निदान कैसे किया जाता है?

क्या उपचार उपलब्ध हैं?

इन विभिन्न मुद्दों के जवाब नीचे संक्षेप में दिए गए हैं:

वह डॉक्टर जो शिशु की डिलीवरी (सामान्य जचकी या ऑपरेशन द्वारा डिलीवरी) करने में मदद करता है और शिशु की जांच करने वाले शिशु चिकित्सक आमतौर पर माता-पिता को जन्म के समय देखी गई असामान्यताओं के बारे में सूचित करते हैं। हालांकि, कुछ जन्मजात स्थितियां जीवन में बाद में पता चलती हैं और बच्ची को स्नान करने वाली मां द्वारा ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

बच्चों में विभिन्न स्त्री रोग संबंधी समस्याओं में से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं

1. क्लोएका। यहां शिशु के पेरिनियम में केवल एक छिद्र होता है, जिसके माध्यम से मूत्र और मल दोनों निकलते हैं। यह एक बहुत ही जटिल एनोरेक्टल विकृति है और निदान (डायग्नोसिस) के लिए गहन इमेजिंग और इसके सुधार के लिए कई सर्जरी की आवश्यकता होती है।

2. Hydrometrocolpos (हाइड्रोमेट्रोकोल्पोस/ गर्भाशय एवं योनिद्वार में तरल पदार्थ एकत्रित होना) यह स्थिति तब होती है जब योनि में तरल पदार्थ जमा हो जाता है क्योंकि इस तरल पदार्थ की कोई बाहरी निकासी नहीं होती है। यह anorectal विकृति के साथ जुड़ा हो सकता है या नहीं भी हो सकता है। इसके सामान्य (कम जटिल रूप में) रूप में योनि में बस एक झिल्ली होती है और इस झिल्ली में कट लगाने (झिल्ली को फाड़ देने से) से यह समस्या ठीक हो जाती है। अधिक जटिल मामलों में यह मूत्र मार्ग से जुड़ा (कम्यूनिकेशन) हो सकता है एवं इसके उपचार के लिए कई सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है। यह कुछ सिंड्रोम का भी हिस्सा हो सकता है।

3. Clitoromegaly (क्लाइटोरिस का आकार सामान्य से बड़ा होना) माता-पिता असामान्य जननांग को नोटिस कर सकते हैं। सही निदान (डायग्नोसिस) बाल रोग सर्जन द्वारा स्थापित किया जाता है। यदि डॉक्टर को अंतःस्रावी ग्रंथि की किसी (जैसे जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लेसिया / कंजेनाईटल एड्रिनल हाइपरप्लेसिया) बीमारी का संदेह है, तो वह रक्त और मूत्र में विभिन्न हार्मोन परीक्षणों के लिए कह सकता है। उपचार दवाओं के साथ होता है और यदि सर्जरी की आवश्यकता होती है तो, निदान (डायग्नोसिस) और असामान्यता के अनुसार सर्जरी की जाती है। यह समस्या, कभी-कभी, एक प्राथमिक हार्मोनल असामान्यता को प्रकाश में ला सकती है, और उसके एक प्रभाव के रूप में प्रकट हो सकती है।

4. लेबिअल एड्हेशन- इस समस्या में त्वचा के दो फोल्ड उस स्थान पर एक दुसरे से चिपक जाते हैं जहाँ से बच्चा पेशाब करता है। आपको डॉक्टर को दिखाने की आवश्यकता है यदि आपको लगता है कि यह हिस्सा असामान्य प्रतीत हो रहा है। एक अनुभवी चिकित्सक द्वारा नैदानिक परीक्षण ही निदान (डायग्नोसिस) के लिए आवश्यक होता है। उपचार एक आउट पेशेंट प्रक्रिया है जिसमें डॉक्टर इन दोनों त्वचा के फोल्ड को एक दुसरे से अलग कर देते हैं और लगाने के लिए एक मरहम लिख सकते हैं।

5. लेबियल टैग। यह शरीर के इस क्षेत्र में दिखाई देने वाला एक त्वचा का टैग है। ज्यादा चिंता की कोई बात नहीं होती है। निदान (डायग्नोसिस) की पुष्टि करने के लिए बच्चे को डॉक्टर को दिखाया जा सकता है।

6. ओवेरियन सिस्ट - यह अंडाशय में होने वाली एक सिस्ट है।इस समस्या का एक अल्ट्रासाउंड द्वारा प्रसवपूर्व अवधि में पता किया जा सकता है। बाद में, बचपन में, यह पेट में एक गांठ के लक्षणों के साथ पेश कर सकता है। निदान (डायग्नोसिस) के तुरंत बाद या लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर को दिखाना चाहिए। कई बार सिस्ट में मरोड़ (टोर्शन) जैसी जटिलताएं (कॉम्प्लीकेशन) हो सकती हैं, जिसमें रक्त की आपूर्ति प्रभावित होती है जो गंभीर दर्द और आपातकाल (इमरजेंसी) के रूप में प्रस्तुत होती है। सर्जरी में सिस्ट के अन्दर भरे द्रव को निकाला जा सकता है, सिस्ट को खोल दिया जा सकता है या पूरी तरह से हटाया जा सकता है। उपचार करने वाले सर्जन अंडाशय (ओवरी) को जितना संभव हो उतना बचाने की कोशिश करेंगे।

7. डिम्बग्रंथि ट्यूमर (ओवेरियन ट्यूमर) - दुर्लभ मामलों में, बच्ची के अंडाशय में एक ट्यूमर विकसित हो सकता है। यह पेट में एक गांठ के साथ प्रस्तुत करता है। ट्यूमर मार्करों की सलाह दी जा सकती है जैसे अल्फ़ा फीटोप्रोटीन, ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रॉफ़िन आदि। अधिकांश ऐसे ट्यूमर सामान्य टेराटोमा होते हैं जिन्हें आसानी से निकाला जा सकता है; हालांकि, बचपन में अंडाशय के घातक ट्यूमर भी होते हैं।

8. योनि का ट्यूमर। कभी-कभी छोटी बच्चियों को निजी क्षेत्र (योनिद्वार) से रक्तस्राव हो सकता है। बच्चे को जल्द ही एक डॉक्टर को दिखाया जाना चाहिए। योनिद्वार की त्वचा से एक गाँठ निकलती हुई दिखती है जो छोटे अंगूर के गुच्छे की तरह होती है। इसे rhabdomyosarcoma कहा जाता है। उपचार कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी के संयोजन के साथ होता है।

9. हाइमन का बंद होना - कभी-कभी जननांग पथ बाहर की ओर खुला नहीं होता है और बच्चे के पेरिनियम में एक उभार होता है। यदि यह यौवन (प्युबर्टी) पर होता है, तो लड़की को मासिक धर्म नहीं होता है और पेट में एक गांठ दिखाई दे सकती है। यह हाइड्रोमेट्रोकोल्पोस का एक रूप है। उपचार सर्जिकल होता है और एकत्रित रक्त या तरल पदार्थ को बाहर निकालने के लिए हाइमन में एक छिद्र खोलना पड़ता है।

10. कई गर्भाशय और योनि असामान्यताएं जैसे कि डबल / स्प्लिट गर्भाशय और / या स्प्लिट योनि, अनुपस्थित योनि, मलाशय के साथ जुड़ा होना, यह सब गुदा और मलाशय की असामान्यता के साथ हो सकता है। ये बहुत जटिल विसंगतियां हैं और उपचार के लिए उच्च स्तर की सर्जरी एवं उपचार की आवश्यकता होती है।

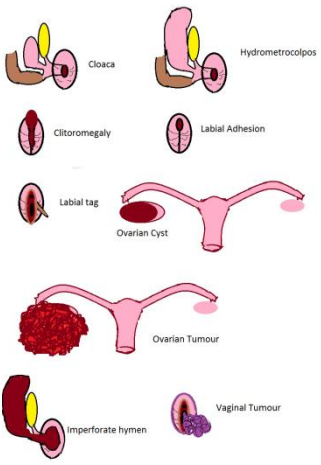

Diagrammatic representation of the more prominent gynecological problems